[Mr. Speaker]

know that this last paragraph was there. I would not have allowed this last paragraph. The only thing I can do is this; there are two courses open for me. (*Interruptions*) I will give my ruling. But before that, I will hear the Minister.

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (Shri L. K. ADVANI): You have yourself said, Sir that if the statement had been carefully gone into, the implications of it would have been obvious and it might not have been permitted to be raised under this rule. Now that has been permitted—he had notice in writing and the whole statement had been given to you-and with your permission he has raised it in the House and it has gone on record, all that I can say on behalf of the Government is that the Defence Minister has communicated his readiness to make a statement on that basis.

MR. SPEAKER: That is all right.

Now, we go on to the legislative work....

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI rose...

MR. SPEAKER: I thought you were not here. I had called your name. Ali right.

(iii) REPORTED, RECENT COMMUNAL CLASHES IN SAMBHAL

श्री मोहम्मद शफी कुरेशी (अनन्तनाग): सम्बल, मुरादाबाद में जो हालिया फसादात हुए हैं, फिरकादाराना उन पर मैं अपने खेद श्रीर दुख का इजहार करता हूं। सम्बल में जो कुछ हुश्रा है वह बहुत ही मीरियस मामला है श्रीर मैं समझता हूं कि तमाम हमारे मेम्बर उस तरफ के श्रीर इस तरफ के इस मामले पर गौर करेंगे।

मामला बिल्कूल मामुली नौइयत का था। होली के रोज एक लोकल कालेज में लड़कों ने वहां पर कुछ टाइटल कुछ लडकों को, कुछ उस्तादों को दिये। इस पर कुछ लडकों ते ऐतराज किया ग्रौर मामले को इस तरह से सुलझा लिया गया कि टाइटल देने वालों ने प्रिसिपल साहब से ग्रौर उन लडकों ग्रौर लडिकयों से माफी मांग ली जिनको टाइटल दिये गये थे। लेकिन बदकिस्मती यह है कि उत्तर प्रदेश में लोकल बाडीज़ को जो काम कर रही थीं. ससपेंड किया गया है। इसको लेकर वहां पर एक मुजाहिरा हो रहा था श्रीर उसमें काफी लोग जमा थे। एक एम०एल०ए० वहां पर जिन्होंने इलैक्शन कंटैस्ट किया था... (व्यवधान).. मुझे ग्रफसोस के साथ कहना पड़ता है कि मैं मुरादाबाद सम्बल की बात कर रहा हूं ग्रीर यहां पर बागडी और राम धन का झगडा हो रहा हैं। कौन सा जरूरी है. (व्यवधान)

ग्रध्यक्ष महोदय, सम्बल की ग्राबादी

1 लाख 25 हजार है। पूरे सम्बल में
फायर त्रिगेड का कोई इंतजाम नहीं है।
वहां पर एक पुलिस चौकी है जिस पर
60 ग्रादमी तैनात किथे गथे हैं। 28 मार्च
को जो कालेज में थोड़ी सी बात पर एक
मामूली झगड़ा हुग्रा था जो साम्प्रदायिक
नहीं था, फिरकादाराना नहीं था ग्रौर
इस बात पर था कि कालेज के लड़कों ने
कुछ टाइटल दिथे थे ग्रौर उसको लेकर
हुग्रा था। इसको देखते हुए वहां की
गवर्नमेंट को चाहिए था कि चौकन्नी रहती
क्योंकि सम्बल में इसके पहले 1976 में
एक फसाद हुग्रा था।

2бт

[شرى محمد شفى قريشي (انلت

ناک): سلمبهل-مرادا باد میں جو حالية فسادات هوئة هين - فرقه دارانه ان پر میں ایے کھید اور دکھ کا اظہار كرتا هون - سلمبهل مين جو كچه الموا هے ولا يہت هي سيريس معاملة هے - اور میں سمجهتا هوں که تمام همارے مهمجر اس طرف اور اس طرف کے اس معاملے ہو فور کریلگے -

معامله بالكل معمولي توثيت كأ تھا۔ ھولی کے روز ایک لوکل کالجے میں لوکوں نے وہاں پر کچھ ٹائیٹر آ کچه لوکیوں کو کچه استادوں کو دئے -اس پر کچھ لوکوں نے اعتراض کیا ہ اور معاملے کو اس طرح سے سلجھا دیا گیا که تائیٹل دیئے والوں نے پرنسپل صاحب سے اور ان لوکوں اور لوکیوں سے ممافی مانگ لی جن کو تائیتل دئے گئے تھے - لیکن بدقسمتی یہ ھے که اترپرديش مين لوکل باديز کو جو کام کر رهی تهین ، سسپیلد کیا گیا ھے۔ اس کو لے کر وہاں پر ایک مظاهرة هو رها تها - اور اس مهن کافی نوگ جمع تھے - ایک ایم - ایل -اے - وہاں پر جلہوں نے العکشن کنٹیست کیا تھا - مجھے انسوس کے ساته کهذا یوتا هے - که میں مراداباد سميهل كي بات كر وها هون - أور یهاں یو باکوی اور رام دھن کا جهگوا هو رها هے - کونسا ضروری هے -

ادهمم مهودے سنبیل کی آبادی ایک لاکھ پچیس ہزار ہے -پورے سلمههل میں فائهر برگیڈ کا کوئی انتظام نہیں ہے - وہاں پر ایک پولس چوکی هے - جس پر ۲۰ آدسی تعدات کئے هوئے هيں - ۲۸ مارچ کو جو کالیم میں تھوڑی سی بات پر آیک

معمولی جهگوا هوا تها - جو سامیردایک نهيبي تها - فرقم داراند نهيبي تها -اور اس بات پر تها که کالم میں لوکوں نے کچھ ٹائیٹل دئے تھے۔ اور اس کو لے کو ہوا تھا۔ اس کو دیکھتے هوئے وهاں کی گورنمیلنگ کو جاهگے تها - كه چوكلتي رهتي كيونكم ساسيمل موں اس سے بہلے ۱۹۷۹ میں ایک فساد هوا تها -آ

श्री विजय कुमार मत्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : ग्राप इनको एलाऊ कर रहे हैं। पहले यहां से इस पर कुछ कहने की कोशिश की गई है और उनको आपने मना कर दिया था (व्यवधान)। ग्रापने पहले कहा कि सम्भल के बारे में कोई चीज एलाऊ नहीं कर रहा हं।

MR. SPEAKER: I am merely allowing this under Rule 377. As for other matters, we are considering them.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: The Lady Member from that constituency wanted to say something. She may be a back-bencher, but she represents that constituency. She wanted to say something but she was not allowed. She should have been allowed. (Interruptions)

MR. SPEAKER: She has not given notice. (Interruptions)

SHRI KANWAR LAL GUPTA: The Member concerned should have been allowed but you have not allowed her.

MR. SPEAKER: You cannot have one rule for yourself and other rules for others. She has not given any notice under Rule 377 or any other notice. You are interfering every time. (Interruptions)

श्री नाथु सिंह (दौसा): ग्रध्यक्ष जी. मेरा व्यवस्थाका प्रश्न है। ग्रापने जब यह तय कर दिया था, इस बारे में माननीय [श्रो नाथू सिंह]

ज्योतिर्मय बसु ने जब पूछा था दो जिलों के बारे में, तो ग्रापने व्यवस्था दी थी . . .

SPEAKER Please sit down. After all, proceedings have to go on.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपूर) : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। भ्रापको मालुम होगा कि तीन दिन से लगातार हैदरावाद कांड के वारे में काल ग्रटेंशन देते ग्राये हैं, ग्रभी तक ग्रापके द्वारा उस पर विचार नहीं किया गया है। सम्भल कांड के ऊपर भी दिया गया है। स्रब यदि नियम 377 के अन्तर्गत आप इजाजत देते हैं तो मामला इतना हल्का होता चला जायेगा कि उसका महत्व ही समाप्त हो जायेगा। तो कैसे काम चलेगा?

MR. SPEAKER: That is not a coint of order.

श्री नाथ सिंह: जब ग्राप व्यवस्था दे चुके है 184 में तब कैसे यह. . . .

MR. SPEAKER: There is no point of order. I have allowed a statement under Rule 377 and it shall be done. (Interruptions).

SHRI UGRASEN (Deoria): I am on a point of order. You have to give us your ruling-not Shri Saugata Roy. **य**ह कल के छोकरे हैं, क्या रूलिंग देंगे ।

SHRI L. K. ADVANI: The Member has been allowed by the Speaker under Rule 377 to raise this point.

SHRI A. K. ROY (Dhanbad): Mr. Speaker, Sir, you invited Shri Ugresen to speak on the Demands for Grants of the Ministry of Information and Broadcasting. After that without any reference to him and whether permission given to him to speak has been withdrawn and that he should sit down, he remains standing and you call another hon. Member. My point of order is whether after inviting an hon. Member to speak on a particular subject, the permission given to him would be unceremoniously withdrawn and other Members can interject ..... (Interruptions)

## (Interruptions

MR. SPEAKER: Shri Qureshi had been permitted earlier to make a statement under Rule 377, but Shri Qureshi was not there at that time. Thereafer there was some discussion and I called Shri Ugresen. Before Shri Ugresen could begin his speech, Shri Qureshi came and I thought, an opportunity should be given to him.

Some hon. Members rose—(Interruptions)

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Once a Member is absent, you have called another Member. If the Member who was absent comes, can the Speaker allow him to make his statement under Rule 377? He was absent when he was called.

MR. SPEAKER: There is no rule either for or against it.

Mr. Qureshi.

श्री मोहम्मद शफी कुरेशी : अध्यक्ष महोदय, 28 मार्च को जो सम्भल में वाकया हग्रा, ग्रगर उस वक्त सरकार ने उसकी पूरी तरह जांच की होती तो 29 मार्च और उसके बाद जो वहां वाकया हुम्रा, वह नहीं होता । वाकया बहुत ही ग्रफसोसनाक है ग्रीर हम तमाम लोगों को जो ग्राज यहां बैठे हैं. इसको संजीदगी से देखना चाहिये।

मैं किसी शख्स पर इलजाम नहीं लगाना चाहता. लेकिन मझे ताज्जुब इस बात का है कि जब भी कोई मामला इस किस्म की नौएयित का उठाया जाता है तो खास तबकें. खास पार्टी के लोगों को वड़ा दु:ख होता है, क्योंकि वह इस मुल्क में फ़िरके-दाराना फ़िसाद कराने पर तुले हुए हैं। मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन अगर वह खुद ही भड़क उठें, तो खुद ही पहचाने जाने हैं।

29 मार्च को जो वाकया वहां हुग्रा, मैं तो कहता हूं कि फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं था, वह मुरादावाद में था। साढ़े 9 बजे वहां दंगा-फ़िसाद शुरू हुग्रा ग्रीर 4 बजे तक जारी रहा । गुंडों, लफंगों, लोफरों ग्रौर बदमाशों को खुली छूट दी जाती है कि वह गरीब किसानों को वहां पर लुटें।

में इसकी फिरकेदाराना ग्रहमियत में नहीं जाता, लेकिन मुझे ग्रफसोस इस वात का है कि ला एंड ग्रार्डर की जो मशीनरी वहां पर है, वह विल्कुल पैरालाइज हो चुकी थी। सारे यू०पी० में ग्राज एक किस्म का माहौल फैला हुग्रा हैं कि वहां पर खासतौर पर जो माइनोरिटीज हैं, वह ग्रपने ग्रापको गैर-महफूज महसूस करती हैं।

मुझ अप्रसोस इस बात का है कि दिल्ली में कुछ ऐसे अखबारात हैं, खास आदिमियों के अखबारात, जो इस आग को और भड़काना चाहते हैं। वहां की सरकार ने कहा कि 17 आदिमी मरे हैं, मेरे साथी थे, जनता पार्टी के कुछ लोग थे, उनके सामने भी वहां की सरकार ने, वहां के लोगों ने कहा कि अभी तक 17 लाशों बरामद हुई हैं, लेकिन दिल्ली का एक गैर-जिम्मेदार अखबार यह कहता है कि 100 आदिमियों की लाशों निकली हैं और 300 आदिमी मारे गये हैं और खास तरीके पर वह इसकी जिम्मेदारी लाना चाहती हैं।

मैं हुकूमत-ए-हिन्दुस्तान के होम मिनि-स्टर से यह कहना चाहता हूं कि वह ऐसे जबान-दराजों को लगाम दें, क्योंकि वह सारे मुल्क में आग लगाना चाहते हैं। मेरा मुतालबा यह है कि सम्भल में जो वाक्या हुआ है, बह अफसोसनाक और शर्मनाक है, इसकी अदालती जांच की जायें। SHRI KANWAR LAL GUPTA: We

श्री मोहम्मद शफी कुरेशी: दूसरी बात मैं यह कहता हूं कि सम्भल में जो वाक्या हुआ है. उसके श्रासपास के इलाके मुरादाबाद, श्रमरोहा में जो लोगों को लाइसेंस श्रीर हथियार दिये गये हैं, वह लाइसेंस मनसुख किये जाने चाहियें श्रीर जो नान-लाइसेन्स्ड श्राम्स वहां पर हैं, उनको फौरन दस्तयाब करना चाहिये, जब्त करना चाहिये। तमाम इलाके में

ला ऐंड म्रार्डर मशीनरी को मजबूत करना चाहिए ग्रौर जहां पर भी कोई भी म्रादमी कितना ही बड़ा क्यों न हो ग्रौर चाहे किसी फिरके से ताल्लुक रखता हो, ग्रगर वह इस फिरकादाराना फसाद को हवा देना चाहता हो तो हुकृमत को उसे सजा देनी चाहिए।

## [شری محمد شفی قریشی: ادهیکه

مہردے - ۲۸ مارچ او جو سیپهل میں راتعہ هوا - اگر اس وقت سرکار نے اس کی پرری طرح جانچ کی هوتی - تو ۲۹ اور اس کے بعد جو رهاں واقعہ هوا ولا نہیں هوتا - واتعہ بہت هی افسوس ناک هے اور هم تمام لوگوں کو جو آج یہاں بیڈھے هیں اس کو سنجیدگی سے دیکینا ہے۔

میں کسی شخص پر الزام نہوں لکانا چاھتا۔ ایکن مجھے تعجب اس بات کا ھے که جب بھی کوئی معاملہ اس قسم کی نوبت کا اتکایا جاتا ھے تو خاص طبقے اور خاص پارتی کے لوگوں کو بوا دکھ ھوتا ھے کھونکہ وہ اس ملک میں فرقہ دارانہ فساد کروانے کے لئے تلے ھوئے ھیں۔ میں ان کا نام نہیں لینا چاھتا لیکن اگر وہ خود ھی بھوگ اتھوں تو خود ھی بھوگ اتھوں تو خود ھی بھوگ اتھوں تو

وم مارچ کو جوراتعه هوا: 
تو کهتا هول که فائهر بوگهت موتعه پر 
نهیں تها - وه مرادایاد مهی تها 
سازه نو بحج وهال دنکے فسلدات 
شروع هوئے اور چار بحج تک جاری رهے - 
گفتے ، لفلگے ، لوفوول اور بدمعاشوں 
کو کهلی چهتی دی جاتی هے که وه 
غریب کسانوں کو وهاں پر لوتیں -

## [شری محمد شدی قریشی]

منجه افسوس اس بات كا هم كه لا اینک آردر کی جو مشینی وهان پر ھے ولا بالکن پھويلائھؤ ھو چکی ھے۔ سارے یو - پی میں آج اس قسم کا ماحول پهيلا هوا هے که وهال ير خاص طور سے جو مائھور ڈیز ھیں وہ اپنے آپ کو غیر محفوظ محسوس کرتے ھیں -مجهے افسوس اس بات کا هے که دلی میں کچھ ایسے اخبارات هیں خاص آدمیوں کے اخبارات جو اس آگ کو اور بهرکانا چاهتے هیں وهاں کی سرکار نے کہا کہ ۱۷ آدمی مرے ھیں - میرے ساتھی جنتا پارٹی کے لوگ تھے - ان کے ساملنے بھی وہاں کی سرکار نے وہاں کے لوگوں نے کہا كة أبهى تك ١٧ لأشين برآمد هوئي هدس - ليكن دلى كا ايك غهر زمدار اخبار یه کهتا هے که سو آدمیوں کی لاشين نكلى هين اور ٢٠٠٠ أدمي مارے گئے هيں - ارد خاص طبقے پر ولا اس کی زمرداری لانا چاهتا هے ۔ مھن حکومت هندوستان کے هوم منستر سے کہنا چاھتا ھوں کہ وہ ایسے زیان درازوں کو لکام دیں۔ کیونکه وه سارے ملک میں آگ لكانا چاهتے هيں - ميرا مطالبه يه هے که سلنبهل میں جو واقعه هوا هے ولا افسوس ناک اور شرمناک هے و اس کی عدالتی جانب کی جائے -SHRI KANWAR LAL GUPTA: We agree

شری محمد شنی تویشی: دوسری بات میں کہتا هرں که سنبهل مهں جو واقعه هوا هے اس کے آس پاس کے علاقے مواداباد اور امروهه مهں جن لوگوں کو السیلس اور همهیار دئے

كُلُم هين ولا لأنسينس منسوخ كُلُم جانے چاهلُم اور جو نان لأئيسنست أرم وهان ير هين - ان كو فوراً دستياب كرنا چاهلُم -

تسام علاقوں میں لا ایدت اُردر مشیدری کو مضبوط کرنا چاھئے اور جہاں پر کوئی پھر بھی کتفا ھی برا کھوں نہ ھو اور چاھے کسی فرقے سے تعلق رکھتا ھو اگر وہ اس فرقہ داوانه فساد کو ھوا دینا چاھتا ھو تو حکومت کو اسے سزا دینی چاھئے ۔] SHRI KANWAR LAL GUPTA: We suport your demand for a judicial in-

श्री युव राज (किटहार) : मेरा प्वाइंट श्राफ श्रार्डर है। जब कुरेंशी साहब यह वयान दे रहे थे तो उन्होंने इस बात की श्रोर इशारा किया कि जब हम यह प्रश्न उठाना चाहते हैं तो कुछ पार्टी ऐसी हैं कि जो दंगा फसाद कराना चाहती हैं, मैं समझता हूं यह बिलकुल नामुनासिब बात है श्रौर इसको श्रोसीडिंग्स से निकाल देना चाहिये। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The hon. Minister. (Interruptions) \*\*

MR, SPEAKER: Do not record anything .... (Interruptions) If any reference to any and Party is made, it will be deleted .... (Interruptions) The cross-fire will be deleted.

The Minister wanted to say some-

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): The matter raised by the hon. Member, Shri Mohd Shafi Qureshi strictly relates to the State Government. It is not with us. However ... (Interruptions)

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur): What is this? What is the fun in raising this matter then?

SHRI S. D. PATIL: However, if he had given notice earlier to the Ministry concerned, we could have collected

<sup>\*</sup>Not recorded.

some information for the information of the hon. House. But, since he has not given any prior intimation in advance, it is not possible for us to collect any information.

MR. SPEAKER: This is under Rule 377.

MINISTER OF THE INFORMA-TION AND BRODCASTING (SHRIL. K ADVANI): Once again this only underscores the need that where permission has been granted Speaker to raise an issue under Rule 377, if the government is about it, maybe the government would be in a position to enlighten. It may not be obligatory for the government to reply, but if the government something to say, it can avail of it. Otherwise very often it becomes a forum for making allegations which are not controverted.

MR. SPEAKER: I may tell you one thing. We give the information to the Minister for Parliamentary Affairs but the time may not be sufficient for him to collect the information because we get it just before 11 O'clock. We select out of the notices just before 11 O'clock and immediately the information is given to the Minister for Parliamentary Affairs....

SHRI L. K. ADVANI: My submission is that it is true that till now the notice might have been given only to the Minister for Parliamentary Affairs, but, if it is possible for us....

MR. SPEAKER: That may not be possible.

श्री विजय कुमा मल्होता (दक्षिण दिल्ली): मैं यह कह रहा हूं कि ग्रानरेबल मेम्बर ने यह साबित करने की कोशिश की है कि जैसे यू०पी० में माइनारिटीज के ऊपर बड़ा भारी ग्रत्याचार हुग्रा है जब कि वहां माइनारिटी कम्यूनिटी का एक भी ग्रादमी नहीं मरा है (व्यवधान)\* एक भी माइनारिटी कम्यूनिटी का ग्रादमी वहां नहीं मारा गया है, सब मेजारिटी कम्यूनिटी के मारे गये हैं। (व्यवधान)\*

MR. SPEAKER: Please do not record. For your satisfaction, I may tell you that I have removed it.

(Interruptions) \*

MR. SPEAKER: Do not record any thing.

We shall now take up further consideration of the Demands for Grants in respect of the Ministry of Information & Broadcasting.

Shri Ugrasen.

श्री उग्रसैन (देवरिया) : माननीय ग्रध्यक्ष महोदय, मैं श्रापकी ग्राज्ञा से सूचना ग्रौर प्रसारण मंत्री ने जो ग्रनुदान रखा है उसका समर्थन करते हुए ग्रपने कुछ सुझाव देना चाहता हं।

SHRI G. M. BANATWALLA (Ponnani): On a point of order.

MR. SPEAKER: We have just started the legislative work.

SHRI G. M. BANATWALLA I have never asserted. When I rise to make a point of order, I request you that a few minutes may be given.

MR. SPEAKER: What is the point of order?

SHRI G. M. BANATWALLA: My point of order is very clear. After the point was raised by Shri Mohd. Shafi Qureshi under 377 the hon. Minister got up to give reply. In his reply he has said—had he got notice earlier he would have made certain clarificatory statement here.

My point of order is this—under 377 the matter has now been placed. The hon. Minister has said that there was lack of notice earlier for him to make a full statement. While I support what Shri Mohd. Shafi Qureshi had said, I have to point out that this is a very important thing. Now the Government is seized of the entire matter. The reply given is incomplete. Therefore, direction should be given by you to see that a complete reply is given to the matter under 377.

I fully and completely agree with Shri Qureshi. Because the reply is not complete, therefore, a direction must come from you to the hon. minister asking him to give a complete reply.

श्री विजय 🎝 कुमार मल्होत्राः I sopport him.

<sup>\*</sup>Not recorded.

[श्री विजय कुमार मलहोता]

मिनिस्टर की तरफ से पूरा स्टेटमेन्ट ग्राना चाहिए कि वहां पर क्या हुग्रा है, कौन लोग मारे गये हैं ग्रौर कितने मारे गये हैं।

SHRI G. M. BANATWALLA: Therefore, a full reply must come.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: I am on a point of submission. I agree to what Shri Qureshi said. There should be judicial enquiry. We condemn it. I do not want to take sides. But we share the concern and I condemn it. I demand judicial enquiry. The Government should hold a judicial enquiry.

MR. SPEAKER: So far as Shri Banatwalla's point of order is concerned, a copy of the notice under rule 377 will be sent to the Minister. It is open to him to make a full and complete statement. I am not directing him.

(Interruptions)

SHRI G. M. BANATWALLA: He said he has no notice.

MR. SPEAKER: I am not directing him. (Interruptions)

13.28 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1978-73contd.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROAD-CASTING—contd.

श्री उग्रसैन (देवरिया) : माननीय ग्रध्यक्ष महोदय, मैं दो तीन बार बोलने के लिए खड़ा हुग्रा लेकिन बोल नहीं पाया। ग्राप मेहरबानी करके मेरे समय का खयाल रिखयेगा ग्रीर जल्दी मत बिठाइयेगा।

माननीय मंत्री जी ने जो अनुदाब सदन के सामने रखा हैं उसका मैं समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं और साथ ही अपने कुछ सुझ ब भदन के समक्ष रखना चाहा हूं आकाशवाणी और दूरदर्शन पिछले शासनकाल में एक घराने के व्यक्तिगत स्वार्थों का पक्षपातपूर्ण प्रसार और प्रचार करते रहे। इस विभाग के उद्देश्य और कार्य-प्रणाली पर जितनो विश्वसनीयता और आकर्षण जनता

में होना चाहिए वह ग्रभी नहीं हो रहा है। मैं माननीय मंत्री जी को इस बात के लिए विशेष धन्यवाद दुंगा कि जनता पार्टी के शासन काल में जनमानस में स्राकाशवाणी तथा दूरदर्शन के प्रसारण में विश्वसनीयता पैदा हुई हैं ग्रौर एक ग्राकर्षण पैदा हम्रा है । इस सम्बन्ध में मैं वर्गीज समिति की रपट की ताईद करता हं। वर्गीज समिति ने श्रपने सुझाव में कहा है कि दोनों को मिलाकर म्राकाशभारती निगम बनाया म्राकाशवाणी म्रोर दूरदर्शन का स्वायत्तशासी निगम बनाने का सुझाव कोई नया नहीं है। 1948 में भी सदन में इस पर चर्चा उठी थी। 1966 में चंदा कमेटी बैठी थी। उसने भी इस वात की सिफारिश की थी कि स्राकाश-वाणी और दूरदर्शन का एक स्वायत्तशासी निगम होना चाहिए। दुनिया के ग्रौर भी वहुत से देश हैं जहां दो प्रकार की व्यवस्था है।

ग्रमरीका, एशिया श्रीर लेटिन ग्रमरीका के कुछ देशों में—व्यावसायिक ग्राधार पर इसकी व्यवस्था की गई है। व्यक्तिगत ग्राधार पर लोग ग्रपने प्रचार ग्रीर प्रसारण केन्द्र खोल सकते हैं, उनसे व्यावसायिक लाभ उठा सकते हैं। लेकिन कुछ ऐसे देश भी हैं, जैसे पिष्चम यूरोप के कुछ देश, जापान, ग्रादि जहां स्वशासी निगम की व्यवस्था है। मैं समझता हूं कि माननीय मंत्री जी को वर्गीज कमेटी की रिपोर्ट को मान कर जल्द से जल्द स्वशासी निगम की स्थापना करनी चाहिथे। इस सम्बन्ध में मैं ग्रापकी रिपोर्ट के एक ग्रंश को पढ़ना चाहता हूं, जिससे मैं इत्तिफ़ाक करता हूं, इसमें ग्रापने कहा है—

"वर्ष के दौरान मंत्रालय की गतिविधि की प्रमुख वात ग्रापात-स्थिति के समय प्रैस पर जो प्रतिबन्ध लगाये गये थे, उनसे उसको मुक्त करना ग्रौर प्रैस की स्वतंत्रता बहाल करना था। इसके साथ साथ सरकारी माध्यमों में निष्पक्षता बहाल की गई ग्रौर उनको दलगत या व्यक्तिगत हितों के स्थान पर राष्ट्रीय नीतियों के प्रचार का साधन बनाया गया।"